



Subhash Sharma

31 Oct 1984

05:54 PM

Karnal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121124302

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 31/10/1984
दिन _____: बुधवार
जन्म समय _____: 17:54:00 घंटे
इष्ट _____: 28:17:39 घटी
स्थान _____: Karnal
राज्य _____: Haryana
देश _____: India

अक्षांश _____: 29:41:00 उत्तर
रेखांश _____: 76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 17:31:56 घंटे
वेलान्तर _____: 00:16:24 घंटे
साम्पातिक काल _____: 20:11:54 घंटे
सूर्योदय _____: 06:34:56 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:36:15 घंटे
दिनमान _____: 11:01:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 14:37:23 तुला
लग्न के अंश _____: 21:25:32 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मेष - मंगल
राशि-स्वामी _____: मकर - शनि
नक्षत्र-चरण _____: श्रवण - 2
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: शूल
करण _____: विष्टि
गण _____: देव
योनि _____: वानर
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: मार्जार
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृश्चिक

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 9 मास 14 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
31/10/1984	17/08/1991	16/08/1998	16/08/2016	16/08/2032
17/08/1991	16/08/1998	16/08/2016	16/08/2032	17/08/2051
00/00/0000	मंगल 13/01/1992	राहु 28/04/2001	गुरु 04/10/2018	शनि 20/08/2035
00/00/0000	राहु 30/01/1993	गुरु 22/09/2003	शनि 16/04/2021	बुध 29/04/2038
31/10/1984	गुरु 06/01/1994	शनि 29/07/2006	बुध 23/07/2023	केतु 08/06/2039
गुरु 15/11/1985	शनि 15/02/1995	बुध 14/02/2009	केतु 28/06/2024	शुक्र 07/08/2042
शनि 17/06/1987	बुध 12/02/1996	केतु 05/03/2010	शुक्र 27/02/2027	सूर्य 20/07/2043
बुध 15/11/1988	केतु 10/07/1996	शुक्र 05/03/2013	सूर्य 16/12/2027	चंद्र 17/02/2045
केतु 16/06/1989	शुक्र 09/09/1997	सूर्य 27/01/2014	चंद्र 16/04/2029	मंगल 29/03/2046
शुक्र 15/02/1991	सूर्य 15/01/1998	चंद्र 29/07/2015	मंगल 23/03/2030	राहु 02/02/2049
सूर्य 17/08/1991	चंद्र 16/08/1998	मंगल 16/08/2016	राहु 16/08/2032	गुरु 17/08/2051

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
17/08/2051	16/08/2068	17/08/2075	17/08/2095	17/08/2101
16/08/2068	17/08/2075	17/08/2095	17/08/2101	00/00/0000
बुध 12/01/2054	केतु 12/01/2069	शुक्र 16/12/2078	सूर्य 04/12/2095	चंद्र 17/06/2102
केतु 09/01/2055	शुक्र 14/03/2070	सूर्य 16/12/2079	चंद्र 04/06/2096	मंगल 16/01/2103
शुक्र 09/11/2057	सूर्य 20/07/2070	चंद्र 16/08/2081	मंगल 10/10/2096	राहु 17/07/2104
सूर्य 16/09/2058	चंद्र 18/02/2071	मंगल 16/10/2082	राहु 03/09/2097	गुरु 01/11/2104
चंद्र 15/02/2060	मंगल 17/07/2071	राहु 16/10/2085	गुरु 22/06/2098	00/00/0000
मंगल 11/02/2061	राहु 04/08/2072	गुरु 16/06/2088	शनि 04/06/2099	00/00/0000
राहु 01/09/2063	गुरु 11/07/2073	शनि 17/08/2091	बुध 11/04/2100	00/00/0000
गुरु 07/12/2065	शनि 19/08/2074	बुध 16/06/2094	केतु 17/08/2100	00/00/0000
शनि 16/08/2068	बुध 17/08/2075	केतु 17/08/2095	शुक्र 17/08/2101	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 9 मा 24 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृत्ति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृत्ति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृत्ति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नहीं करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंहन बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नहीं मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नहीं करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्ता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।